सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
भारत सरकार
नई दिल्ली - 110011

सत्यमेव जयते

संदेश

राष्ट्र का गौरव उसकी प्राकृतिक सम्पदा, आर्थिक सम्पन्नता, सभ्यता एवं संस्कृति तथा भौगोलिक स्थिति और उसकी राष्ट्रभाषा की प्रगति से होता है। राष्ट्र की उन्नति में राष्ट्रभाषा की अहम भूमिका होती है। हमारा देश उत्तर में कश्मीर से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी तक तथा पश्चिम में गुजरात से लेकर पूरब में अरूणाचल प्रदेश तक प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधताओं से भरा हुआ है। इन विविधताओं में एकता स्थापित करने का श्रेय अगर किसी को जाता है तो वह हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी है। 14 सितम्बर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिन्दी को सर्व सम्मति से संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था और तभी से प्रति वर्ष 14 सितम्बर को भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों में हिन्दी दिवस मनाया जाता है।

देश और समाज के व्यापक हित में राजभाषा हिन्दी के प्रति जनता और सरकारी तंत्र को अधिक सक्रिय एवं संवेदनशील बनाए रखने की जरूरत है। हिन्दी भाषा भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसे विश्व स्तर पर भी अपनाया जा रहा है। आज हिन्दी ने विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण, कृषि इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवाएं, सिनेमा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत बना ली है। देश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के क्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने से आम जनता, दूर-दराज के क्षेत्र और गांव के लोगों से सीधे सम्पर्क हुआ है। प्रौद्योगिकी के विकास को देश की आम जनता तक पहुंचाने और सरकार की नीति, स्कीमों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों आदि की जानकारी देने के लिए सरल, सुबोध एवं सहज हिन्दी भाषा का प्रयोग बहुत जरूरी है जिससे उसके महत्व को समझने में कोई कठिनाई न हो। इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं में ई-मेल आदि आसानी से भेजे जा सकते हैं। भारतीय भाषाओं में विदेशी भाषाओं की तुलना में हमारी शब्द सम्पदा अपार समृद्ध है। हमारा यह कर्तव्य है कि हम अपनी भाषाओं को विज्ञान और तकनीकी की दृष्टि से और उन्नत बनाते हुए अपनी संस्कृति के उच्च आदर्शों को कायम रखें।

मैं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और इसके नियंत्रणाधीन कार्यालयों के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध करना चाहूँगा कि आप सभी अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में सम्पादित करें और राजभाषा को गौरवमयी स्थान और सम्मान दिलाने में अपना अमूल्य योगदान दें।

हिन्दी दिवस, 2013 के पावन अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

के एच मुनियप्पा

(के.एच. मुनियप्पा)

उद्योग भवन, नई दिल्ली
दिनांक : 14 सितम्बर, 2013